ये आँसु कब तक बहेंगे ?

माट्यु एक अमीर आदमि है। अमीर बन जाने से पहले वे एक बेचारा गरीब आदमि का दूसरी ~~है~~ पुत्र था। उस आदमी का नाम राजु था। राजु बहुत मेहनत से अपने दो बच्चों को पढाया। राजु का पहला पुत्र पढाई में बहुत अच्छा था। दूसरा तो उतना अच्छा नही था। राजु दूसरा लडका माट्यु से बहुत प्यार करता था। माट्यु को पढाने के लिए राजु पहला पुत्र मोनी का पढाई रोक दिया और उसे काम पर जाने को कहा। मोनी काम पर गया। राजु अपने सारे पैसा दे कर माट्यु को पढाया पर माट्यु पढना नही पसंद किया। तब राजु अपने सारे पैसा दे कर उसे विदेश भेज दिया। विदेश जाकर माट्यु अमीर बन गया और वे एक सुसी नामक लडकी को शादी किया उसके बाद माट्यु अपने घर से बहुत दूर एक नदीं तट में एक बडा सा घर बना दिया। और ~~एक~~ दो व्यवसाय शाला भी खुला।

OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR (EDUCATION)

खराब बनेगा और नहीं तो सब होजायेगे।" मात्यु बोला, "क्या यह इस पत्र मे लिखा था?" "अगर पानी खराब हुआ और नहीं मर गया तो हमें कुछ नहीं होजायेगा। सरकार तो हमेशा इस तरह के पत्र भेजते है पर हमें ~~इसे~~ उनके अनुसार काम करने का आवश्यकता नहीं क्यों कि हम अमीर है।" सुनते ही सुसी बोली हाँ हम तो अमीर है अगर पानी नहीं तो हम पानी खरीदेंगे अगर खाना नहीं तो हम खाना खरीदेंगे। मात्यु यह सुनकर हसने लगा। सुसी कहाँ उठे जी, कल तो इसका शादी है ना चलो, हम शहर मे चलते है और इसके लिए वस्त्र और आभरणों लेते है। उन लोग शहर गया और सुसी और राणी बहुत सारे बडा मुल्य वाला आभरणें खरीद लिया।

अगला सुबह आने के पहले सुसी नींद से उठ गया सुबह चार बचे को ~~घर~~ शादी के लिए घर सजाने ~~के लिए सबको~~ आदमियाँ आयेगी। जब सुसी उठा तो घर जगह है डुब रही थी। नदी भर कर पानी सब जगह फैल रहा है। घर तो पानी से भर रहा है।

सुसी शोर से रोया तब मात्यु उ
उठा। पानी देखकर उन लोगों डर गया
उस समय उन लोगों अपने घर के साम
एक रोशनी देखा। मात्यु पानी से धीरे-धीरे
चल कर दरवाजा खोलकर उनके पास आगया।
घर के बाहर मात्यु का कमर ~~तक~~ का ऊपर
तक पानी थे। वह रोशनी एक नाव से
आरही थी। नाव वाला कहा मात्यु ~~साब~~ जी
आप जल्दी आओ सारे जगह पानी के
अंदर होगया है। मात्यु उन लोगों के
सात अपनी बेटी और सुसी को लेकर
चल गया। रास्ते में मात्यु देखा कि उसका
व्यवसाय शाला तो पुरे तरह से डुप गया
है। मात्यु का सारा पैसा पानी लगाया।
मात्यु और सुसी रोने लगा। अपने शादी
का दिन यह हाल होनेका राणी रेजा भी
नहीं थी राणी उस दुःख में बेहोश होगयी।

मात्यु और परिवार ~~क्याम्प~~
एक क्याम्प में पहुँच गयी। मात्यु का
आँखों नदीयों के तरह भरगाया और आँसु
रोक नहीं पारहा था। अमीर मात्यु अब

ने भाई से भी गरीब कमाता था।
सुबह होगया तब तो कम्प मे
माथु एक परिचित आवाज सुना.
वह आवाज़ सुनकर माथु उस आवाज़
का पीछे चलगाया तो देखा वह उसका
भाई मोनी था। माथु को देखकर
मोनी उसके तरफ दौड पडा और पास
आकर माथु को हाथ मे पकडा.
माथु रोने लगा और उस समय
मोनी कहा "माथु मुझ से अपनी एक
दोस्त ने कहा कि तुम यहाँ है और तेरा
घर बह गया" माथु हाँ बोला 'मोनी
कहा 'मै तुजे और परिवार को लेने
आया हूँ तुम यहाँ इस भीड मे मत रहो
तुम सबको अच्छा खाना भी नही
मिलेगा मुझे तो तुम लोगो का बहुत
~~चिंता~~ चिन्ता हो रहा है। माथु मोनी
का पैरों मे पकडा आर कहा 'मुजे
माफ करना भैया' मोनी उसे उठा लिया
और कहा '~~आओ~~ तुम तो मेरा छोटे भाई है

OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR(EDUCATI...

पने भाई से भी गरीब कमाता था।
सुबह होगया तब तो कथारूप मे
मात्थु एक परिचित आवाज़ सुना.
वह आवाज़ सुनकर मात्थु उस आवाज़
का पीछे चलगया तो देखा वह उसका
भाई मोनी था। मात्थु को देखकर
मोनी उसके तरफ दौड़ पड़ा और पास
आकर मात्थु को हाथ में पकड़ा
मात्थु रोने लगा और उस समय
मोनी कहा "मात्थु मुझ से अपनी एक
दोस्त ने कहा कि तुम यहाँ है और तेरा
घर बह गया" मात्थु ने बोला "मोनी
कहा मैं तुजे और परिवार को लेने
आया हूँ तुम यहाँ इस भीड़ मे मत रहो
तुम सबको अच्छा खाना भी नही
मिलेगा मुझे तो तुम लोगो का बहुत
~~चिंता~~ चिन्ता हो रहा है। मात्थु मोनी
का पैरों मे पकड़ा और कहा 'मुझे
माफ करना भैया' मोनी उसे उठा लिया
और कहा '~~आओ~~ तुम तो मेरा छोटे भाई है

मात्थु और परीवार मोनीके घर पहुंचगया तब मोनी कहा इस बाँढ से हमारा सब कुछ गया पर हमारा प्यार वापस आया। सुनकर मात्थु आँसु भरे आँखों से हँसा और कहा प्रकृती यह क्या बुरा काम किया है, मेरा तो सब कुछ गया। मोनी प्यार से कहा "प्रकृती नहीं हम बुरा काम कर रहे हैं। तुमारे जैसे व्यवसायीयों अमीर बनजाने केलिए प्रकृती को मलिन ~~बनादिया~~ बनादिया ~~नदीयों~~ को पर्वतों को जमीन को मलिन करदिया। प्रकृती दुखी है यह जो पानी इस तरह बाँढ बनाया है वह प्रकृती का आँसु है।" तब मात्थु पुछा "ये आँसु कब तक बहोंगी" ~~[illegible]~~ यह सुनकर मोनी हसदिया और कहा। "ये आँसु रुख जायेंगी जब मानव का स्वार्थता चल जायेगा और मानव प्रकृती का संरक्षण करोंगी। जब तक यह मलिनीकरण रहेगा हमारा प्रकृती माता की आँसु तब तक नहीं रोकेगा। वह आँसु बहतेही रहेगा।"